12.40 hrs.

Title: Regarding reported deaths due to poverty in Uttar Pradesh.

श्री राम विलास पासवान (हाजीपुर) : अध्यक्ष जी, मैं सदन का ध्यान बहुत ही गंभीर मुद्दे गरीबी की तरफ खींचना चाहता हूं। मैंने आज से पांच दिन पहले आपको नोटिस दिया था, आपसे मिला भी था। आपने कहा था कि यह गंभीर मामला है और मैं संबंधित मंत्री जी को बुलाकर भी रखूंगा जिससे इस बारे में गंभीरता से बातचीत हो सके।

यह दिल्ली है और दिल्ली के बगल में गाजियाबाद है, दिल्ली के बगल में ही मेरठ है। यहां 13 दिन में 22 लोगों के मरने का समाचार है और वह भी किसी ने मारा नहीं बल्कि एक-एक परिवार के पांच-पांच, छः-छः लोगों को अपने ही परिवार के लोगों ने जहर देकर मार दिया और बाद में अपने आप को भी फांसी लगा ली। इन सबका एक ही कारण है कि गरीबी से तंग आकर उन्होंने ऐसा किया। हमारे पास तमाम समाचार पत्रों चाहे हिन्दुस्तान हो, चाहे अमर उजाला हो, की कटिंग है जो मैंने आपको भी दी है। इसमें आप देखेंगे, गाजियाबाद जिले के लोनी के इंदिरापुरी एक्सटेंशन कालोनी में 26 अप्रैल की रात्रि को एक आदमी ने अपने चार बच्चों - एक लड़की, एक 12 साल का लड़का, 8 साल का बच्चा, 5 साल की बच्ची और पत्नी को पहले जहर खिलाकर मार दिया और उसके बाद अपने आपको फांसी लगा ली। उसने चिट में यह लिखा - मैं चाहता था कि मैं अपने आप मर जाऊं लेकिन मुझे लगा कि यदि मैं मर जाऊंगा तो मेरे बच्चे बिलख जाएंगे, मेरी पत्नी का कोई सहारा नहीं रहेगा। इसलिए मैं यह कदम उठा रहा हूं। पूरे परिवार के लोगों को मारकर स्वयं मर रहा हूं। इसी तरह 16 अप्रैल को गाजियाबाद में ही एक महिला अपने तीन बच्चों को मारकर मर गई। 23 तारीख को कानपुर में इसी तरह की घटना हुई कि एक ही परिवार के लोग 6 बच्चों को मारकर मर गए। 5 अप्रैल को मेरठ में परिवार का एक सदस्य अपने परिवार के लोगों को मारकर मर गया। गाजियाबाद में ही 14 अप्रैल को एक परिवार के लोग अपने 4 बच्चों को मारकर मर गए। इस तरह एक तरफ जहां हम कह रहे हैं कि हमारा देश विकास कर रहा है, एक तरफ कह रहे हैं कि हम सुख-समृद्धि की ओर बढ़ रहे हैं और दूसरी तरफ पूरे देश में ऐसी हालत है। गाजियाबाद, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब - ऐसा माना जाता है कि ये सब खुशहाल प्रदेश हैं, खुशहाल इलाके हैं। जब खुशहाल इलाकों की यह हालत है तो गांवों में लोगों की हालत क्या हो रही है, यह समझने की बात है। हम लोग यहां त्रिशूल की बात करते हैं, लेकिन सदन को आम गरीब व्यक्ति की समस्याओं को गंभीरता से लेने की आवश्यकता है और सरकार को भी इसे गंभीरता से लेना चाहिए।

हम यहां एयर कंडीशन में बैठे हैं, सारी सुख-सुविधाएं हैं, इसलिए मौत क्या होती है, गरीबी क्या होती है, बेरोजगारी क्या होती है, शायद जब तक हम बेरोजगार नहीं होंगे, हम उसे भूल जाते हैं। मैंने आपके सामने जो प्रश्न रखा है, यह बहुत ही गंभीर मामला है। यहां से दूर नहीं बल्कि 12-14 किलोमीटर के अंदर का एरिया है। यह सारे सदन के लिए सोचने का वािय है। इसलिए मैंने सदन का ध्यान आकर्िात करने का काम किया है।â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : जैसे मैंने आपसे कहा था, मैंने मंत्री जी से विनती की थी, मंत्री जी यहां उपस्थित हैं। वे अपना रीएक्शन देंगे लेकिन उससे पहले शिवराज जी इसी वािय पर बोलना चाहते हैं।

श्री शिवराज वि.पाटील (लातूर) : श्रीमन्, मैं आपका शुक्रिया अदा करना चाहता हूं कि आपने मुझे इस वािय पर बोलने के लिए समय दिया है। रामविलास पास वान जी ने बहुत ही महत्वपूर्ण वािय उठाया है। उन्होंने यहां जो भी कहा है, उसका मैं अपनी ओर से और अपनी पार्टी की ओर से पूरी तरह समर्थन करता हूं। यह ठीक है कि मंत्री महोदय आज सदन में उपस्थित हैं और उनके सामने यह बात बार-बार लाई गई है। मैं अच्छी तरह जानता हूं कि वे गरीबों के दुख-दर्द जानने वाले मंत्रियों में से एक हैं।

उन्होंने बार-बार यहां कहा है कि हमारे पास अनाज की कमी नहीं है। हम अनाज देते रहेंगे। उनका मत अनाज देने का है, अनाज की कमी नहीं है। इसके बाद भी ऐसे हादसे हमारे देश में हो रहे हैं तो हमें समझना पड़ेगा कि यह क्यों हो रहा है। मुझे ऐसा लगता है कि जहां मंत्री महोदय अनाज देने के लिए तैयार हैं और अनाज यहां पर है लेकिन वहां जिन लोगों तक अनाज पहुंचना चाहिए, उन लोगों तक यह अनाज नहीं पहुंच रहा है। उसका एक कारण यह है कि जिन लोगों तक यह पहुंचाना है, उनको इसके बारे में आगे आकर काम करना पड़ेगा। स्टेट गवर्नमेंट को काम करना पड़ेगा और उसके साथ-साथ पीडीएस को मजबूत करना पड़ेगा। अगर हम नहीं करेंगे तो हमारे जैसा असक्षम कोई दूसरा नहीं कहलाएगा। इसकी जिम्मेदारी मैं सिर्फ मंत्री जी की या केन्द्र सरकार की नही कहूंगा। सिस्टम की कमी भी मैं मानता हूं और उसको दुरुस्त करने के लिए कदम उठाने की जरूरत है। उनके प्रति यहां सहानुभूति बताने से काम नहीं चलेगा। उनको सिर्फ यह बताने से काम नहीं चलेगा कि हमारे पास अनाज है बल्कि यह देखने की जिम्मेदारी भी सरकार की है कि वह अनाज जिनके पास पहुंचना चाहिए, वहां तक पहुंचे। वह केन्द्र की तरफ से पहुंचे या प्र ाांत की तरफ से पहुंचे या सरकार की तरफ से पहुंचे या पीडीएस की तरफ से पहुंचे या फिर कोई नयी योजना बनाने से पहुंचे। लेकिन इस देश में इतना अनाज होने के बाद अनाज सड़ रहा है, यह हमें मालूम होने के बाद ऐसा हो रहा है तो इससे ज्यादा दुखदायी दूसरी घटना नहीं हो सकती।

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री (श्री शरद यादव) : अध्यक्ष महोदय, आज ही सुबह नोटिस के माध्यम से और आपकी तरफ से आदेश हुआ था तथा यह समाचार कानपुर का मैंने अखबार में भी पढ़ा है जिसका जिक्र राम विलास पासवान जी ने किया है। कानपुर में आर्थिक तंगी से लोगों ने आत्महत्या की। मैं आपके माध्यम से शिवराज जी से कहूंगा कि ये सारे मामले इसमें आए हैं। मैं कहूंगा कि बीपीएल फैमिली अलग होती है। आर्थिक तंगी के चलते पूरे परिवार ने आत्महत्या की है और इसके बारे में मेरी पक्की जानकारी नहीं है। निश्चित तौर से मैं इसकी जानकारी लूंगा। राम विलास पासवान जी के पास पूरे मुकम्मल तौर पर इसकी जानकारी है कि इसकी बैक-ग्राउंड क्या थी, वे गरीबी रेखा के नीचे आते थे या नहीं आते थे। बीपीएल में गरीबी रेखा के नीचे वाले होते हैं और अति निर्धन लोगों के लिए, हमने 25 प्रतिशत लोगों को बीपीएल में अति निर्धन माना। शिवराज जी की इस बात से मैं सहमत हूं कि जो व्यवस्था है, पिछले समय से मैं लगातार इसके पीछे पड़ा हूं कि यह सिस्टम ज्यादा से ज्यादा ठीक हो।

मैं बड़ी विनम्रता पूर्वक निवेदन करूंगा कि पिछले तीन महीने से भूख की खबर अखबारों में नहीं आई है लेकिन टॉस्क फोर्स बनाकर मैंने इसका पीछा किया और मैं मानता हूं कि इसमें सुधार की जरूरत है। माननीय प्रधान मंत्री जी ने हमारे अपर हाउस में यह कहा है कि ऑल पार्टी मीटिंग बुलाकर पीडीएस पर विचार करने का और इसको मजबूत बनाने का काम करेंगे। उन्होंने यह आश्वासन दिया है। वह जल्दी से जल्दी मीटिंग बुलाएंगे। लेकिन राम विलास पासवान जी ने ठीक कहा है कि कहीं लाठी रैली, कहीं तलवार रैली और कहीं त्रिशूल रैली के मुद्दे हो रहे हैं। लेकिन असली मुद्दे गरीबी, बेरोजगारी और भूख है जिसका जिक्र राम विलास पासवान जी ने किया है तथा मैंने भी अखबारों में पढ़ा है कि कि पूरे के पूरे परिवार ने ज़हर खाकर आत्महत्या की है। उन्होंने आर्थिक तंगी के कारण आत्महत्या की है और वे कहीं न कहीं नौकरी करते थे लेकिन उनकी वह नौकरी छूट गई है, जैसा मैंने अखबारों में पढ़ा है, मैं उसे ऑथेंटिक नहीं कह रहा हूं। लेकिन इस मामले में मैं पता लगाकर सारी जानकारी राम विलास पासवान जी को देने का काम करूंगा और आप आदेश देंगे तो सदन को भी जानकारी दूंगा। निश्चित रूप से शिवराज जी ने जो कहा, इस मामले में सरकार की जिम्मेदारी है और सरकार दिल से महसूस करती है कि हमारे पास अनाज के पर्याप्त भंडार हैं और हमने उसका आबंटन भी किया है। बड़े पैमाने पर दिल खोलकर आबंटन किया है। आबंटन के बाद इस तरह से गरीब आदमी को काम न मिले और भूख के चलते उसकी जान चली जाए, यह हमारे सदन और देश के माथे पर कलंक होगा।

इस कलंक को मिटाने में सारा सदन इसमें सहयोग करे। हम पूरी ताक से इसको सुधारने में लगे हैं। जैसा राम विलास पासवान जी ने कहा है, मैं राज्य सरकार से पूछकर, उसके विस्तार में उनको जानकारी देने का काम करूंगा।

श्री राम विलास पासवान (हाजीपुर) : मैं सुझाव देना चाहता हूं। बहुत सारे राज्यों में इम्प्लायमेंट गारंटी स्कीम चल रही है। हम अभी यह नहीं कहते कि राइट टू वर्क को मौलिक अधिकारों में जोड़ा जाए, लेकिन जोड़ा जाना चाहिए। किसी भी राज्य में काम की कमी नहीं है। भारत सरकार की जितनी योजनाएं हैं, उन सारी योजनाओं को एक साथ जोड़ कर काम की गारंटी दे दें, तो मैं समझता हूं इस समस्या का हल हो सकता है। क्या सरकार हर राज्य में रोजगार गारंटी स्कीम चलाने के बारे में राज्य सरकारों से बातचीत करेगी?

अध्यक्ष महोदय : आपका विाय बहुत महत्वपूर्ण है। इससे ज्यादा चर्चा शून्य काल में इस पर नहीं हो सकती। आपने सुझाव दिए और मंत्री जी ने नोट कर लिए हैं। इससे ज्यादा और क्या हो सकता है।

श्री शरद यादव : स्वरोजगार योजना और फूड फार वर्क योजना, ये रूरल एरिया की योजनाएं हैं। इसकी जिम्मेदारी हमारी है।

अध्यक्ष महोदय : मंत्री जी ने बहुत समझदारी से उत्तर दिया है।

श्री शरद यादव : आपने जो मामला उठाया, यह अर्बन डवलपमेंट विभाग का है। मैं अपने सहयोगी मंत्री जी से इस बारे में बात करूंगा। आपने जो सुझाव दिए हैं, उनको भी उनके सामने रखूंगा और कहूंगा कि वे अर्बन एरिया में, शहरों में भी इसको देखें, जिससे वहां जो गरीब और भूखे लोग रहते हैं, वे ऐसा न करें।

अध्यक्ष महोदय : पासवान जी, आपका विाय गम्भीर है। मंत्री जी यहां आए और उन्होंने उत्तर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधान मंत्री जी सभी दलों के लोगों के साथ मीटिंग बुलाकर इस बारे में चर्चा करेंगे। यह बहुत अच्छी बात है।